मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MJY–002

एम.ए. (ज्योतिष)

(एम.ए.जे.वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.जे.वाई.–002 : सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्नपत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।*

$3 \times 20 = 60$

1. भूगोल का स्वरूप कैसा है? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
2. अहर्गण के स्वरूप एवं साधन पर सविस्तार प्रकाश डालिए।
3. मन्दफल एवं शीघ्रफल के स्वरूपों की विस्तृत विवेचना कीजिए।
4. मूर्त एवं अमूर्त कालों की अवधारणा को विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।
5. नवविधकालमानों पर विस्तृत प्रकाश डालिए।
6. अहोरात्रव्यवस्था पर पाठ्य ग्रन्थ दृष्टि से चिन्तन प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। $4 \times 10 = 40$

1. सिद्धान्त ज्योतिष का लक्षण बताते हुए उसके वर्ण्य विषयों पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

2. मध्यम ग्रह साधन पर टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

3. भुजान्तर, चरान्तर एवं उदयान्तर संस्कारों की संक्षिप्त विवेचना करते हुए इनकी उपयोगिता बताइए।

4. ग्रहों के कक्षाक्रम पर भारतीय ज्योतिष एवं अर्वाचीन मतों की समीक्षा कीजिए।

5. चान्द्र, पैत्र्य एवं सावन मानों पर टिप्पणी लिखिए।

6. सौरमान क्या है? इसकी उपादेयता प्रकट करते हुए दिव्यमान को भी परिभाषित कीजिए।

7. काल की ज्योतिषीय अवधारणा पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।

8. स्पष्ट भूपरिधिसाधन पर प्रकाश डालिए।

× × × × ×